लखनवी अन्दाज़
क्लास 10
क्षितिज

पाठ-12 लखनवी अंदाज

यशपाल का जन्म सन् 1903 में पंजाब के फिरोज़पुर छावनी में हुआ । प्रारंभिक शिक्षा काँगड़ा में गृहण करने के बाद लाहौर के नेशनल कॉलेज से उन्होंने बी.ए. किया । वहाँ उनका परिचय भगत सिंह और सुखदेव से हुआ । स्वाधीनता संग्राम की धारा से जुड़ाव के कारण वे जेल भी गए । उनकी मृत्यु सन् 1976 में हुई ।

यशपाल जी यथार्थवादी शैली के रचनाकार हैं । इन्होंने अपनी रचनाओं में सामाजिक विषमता , पाखण्ड एवं रूढ़ियों के विरुद्ध आवाज उठाई है । उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ हैं - **कहानी संग्रह** :- ज्ञानदान , तर्क का तूफान ,पिंजरे की उडान , फूलों का कुर्ता आदि । **उपन्यास** :- अमिता,दिव्या,दादा कामरेड,मेरी तेरी उसकी बात तथा उनका झूठा सच उपन्यास भारत विभाजन की त्रासदी का मार्मिक दस्तावेज है ।

पाठ का संक्षिप्त परिचय

यूँ तो यशपाल ने “लखनवी अंदाज” व्यंग्य यह साबित करने के लिए लिखा था कि बिना कथ्य के कहानी नहीं लिखी जा सकती परन्तु एक स्वतन्त्र रचना के रूप में इस रचना को पढ़ा जा सकता है । यशपाल उस पतनशील सामंती वर्ग पर कटाक्ष करते हैं जो वास्तविकता से बेखबर एक बनावटी जीवन शैली के आदी है । कहना होगा कि आज के समय में भी ऐसी परजीवी संस्कृति को देखा जा सकता है ।

पात्र परिचय

नवाब साहब :-

1. वास्तविकता से दूर,कृत्रिम जीवन शैली जीने वाले , पतनशील सामंती वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले ।
2. शान-शौकत के बह्याडंबर का प्रदर्शन करने वाले ।
3. लेखक के सामने खीरा खाने में संकोच ।
4. नवाबी शान दिखाने हेतु खीरे को सूँघकर फेंकना ।

लेखक (यशपाल)

1. भीड़ से बचने और एकांत में नई कहानी के विषय में विचार करने हेतु सेकंड क्लास का टिकिट लेना ।
2. प्रकृति प्रेमी - खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देखने की इच्छा ।
3. स्वाभिमानी - नवाब द्वारा असंतोष प्रकट करने पर खीरा खाने से इंकार ।
4. कल्पनाशील और मननशील - नवाब के "लखनवी अंदाज"को देखकर लेखक के ज्ञान चक्षुओं का खुलना तथा नवाब में नई कहानी के लेखक का साक्षात्कार करना ।

शब्दार्थ

मुफ़स्सिल = केन्द्रस्थ नगर के इर्द-गिर्द के स्थान
एकांत = अकेला या जहाँ कोई न हो
सफ़ेदपोश = भद्र या सज्जन व्यक्ति
विघ्न = बाधा
किफ़ायत = मितव्यता , समझदारी से उपयोग करना
आदाब अर्ज़ = अभिवादन का एक ढंग या तरीका
गुमान = भ्रम
एतियात = सावधानी
बुरकना = छिड़कना
स्फुरण = फड़कना या हिलना
प्लावित = पानी से भर जाना

पनियाती = रस से युक्त
मेदा = आमाशय
तसलीम = सम्मान में
सिर खम करना = सिर झुकाना
तहज़ीब = शिष्टता
नफ़ासत = स्वच्छता
नज़ाकत = कोमलता
नफ़ीस = बढ़िया
एब्स्ट्रेक्ट = सूक्ष्म , जिसका भौतिक अस्तित्व न हो या अमूर्त
सकील = आसानी से ना पचने वाला